

बदला मौसम का मिजाज : जिले में कई जगह बारिश के साथ गिरे ओले

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में गुरुवार की सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला रहा। आसमान में बादल छाए हुए थे। दिनभर धूप-छाव का खेल चलता रहा। शाम पाच बजे मौसम ने अचानक बाद कई जगह बारिश शुरू हो गई।

किसानों की आफ्ज, खेतों में पड़ी कटी फसल

विगत दिनों बारिश से अफेम, गेहूं, चना, ईस्बगोल जैसी फसलों को नुकसान हुआ था। किसानों ने करीब आधा घंटे तेज बारिश के साथ मके के आकार के ओले गिरे। इससे पहले 5-6 मार्च को

जिले में ओलावृष्टि और बारिश हुई थी। आनेवाले दिन तीनों में भी जिले में बारिश की संभावना बनी हुई है।

कर रहे थे। बारिश होने की वजह से कई किसानों की खेतों कटी फसल को नुकसान हुआ है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार उत्तर भारत में एक विशेष सक्रिय है। इसके प्रभाव से सातवाहन 14 मार्च से चक्रवात बना हुआ है। इस वज्र से जिले में बादल का एक पश्चिमी विशेष सक्रिय हुआ है। लविंग पूर्ण हवाएं बांगल की खाड़ी और अब सारां देश लेकर आ रही है। इन दोनों के मिश्रण से जिले में बारिश व ओलावृष्टि व तेज आंधी की संभावना करीब तीन दिन तक रहेंगी।

शिवना शुद्धिकरण को लेकर बेतरतीब और दूरदर्शिता वाली योजना का हो चुका है .क्रियान्वयन-पर्यामी

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड।

शिवना शुद्धिकरण कार्योजना को लेकर सवाल यह है कि ऐसी किसी को भी बनाए, योजना तकनीकी रूप से सही नहीं होने पर इसका खामियाजा मंदसौर शहर के नागरिकों को ही भूतगता पड़ेगा।

यह बात नार पालिका नेता प्रतिष्ठ रसन पर्यामी ने कही। उन्होंने कहा कि शिवना शुद्धिकरण को लेकर जो एक सीरीज लाइन डाली

जारी है, उसमें तकनीकी रूप से बहुत सारी कमियां हैं। जैसे कि 28 करोड़ की यह कुल राशि इस मद में मिलती है जिसमें कि 4 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन डाली जा रही है जिसमें कूल 1 मीटर के पाइप डाले जा रहे हैं जो कि अपर्याप्त है। पूरे शहर का गढ़ पानी उस 1 मीटर के छोटे गैलन के पाइप से कैसे निकलेगा। जब बाढ़ का पानी आएगा तो एक पाइप चौके

क्या। नगरपालिका 20 पीट गहरी और 4 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन को साफकर पाएगी। पायद लाइन में किनने नालों का पानी आएगा। लंबी पाइपलाइन डाली जा रही है जिसमें कूल 11 नाले दराए गए हैं, जबकि मंदसौर शहर में कूल 25 नाले हैं। इस संबंध में जब नगरपालिका के पाइपों की ओर अधिकारी के साथ की गई तब इन की स्थिति विभाग के जिम्मेदार लोगों को ध्यान देना चाहिए वरना

संसोधनप्रद नहीं दे पाए। चंबल की जिसन तकनीकी रूप से सफल नहीं हो पाई। अमृत वन में जो टंकिया बनाव गई थी, उसमें से टंकिया फलांग हो गई। मंदसौर शहर के लोग पानी की समस्या से यथावत ज़्याद़ रहे हैं एक बार पिर 28 करोड़ की एक बड़ी राशि वाली योजना फैल होने की स्थिति में है इस संबंध में मंदसौर के जिम्मेदार लोगों को सारे सवालों का जवाब भी

गेहूं का दाम तीन हजार रुपये किंतु लाइन डाली योजना का हो चुका है 35 किलो गेहूं मिले-परथुराम सिसाईदिया

मंदसौर/मल्हारागढ़/दैनिक

मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में अतिवृष्टि व ओलावृष्टि से फसले चौपड़ होंगे वही दूसरी ओर किसानों को अपनी उपज का बाजिक दाम भी नहीं मिल रहा है इससे किसानों को भी बनाए, योजना तकनीकी रूप से सही नहीं होने पर इसका खामियाजा मंदसौर शहर के नागरिकों को ही भूतगता पड़ेगा।

यह बात नार पालिका नेता प्रतिष्ठ रसन पर्यामी ने कही। उन्होंने कहा कि शिवना शुद्धिकरण को लेकर जो एक सीरीज लाइन डाली

जारी है, उसमें तकनीकी रूप से बहुत सारी कमियां हैं। जैसे कि 28 करोड़ की यह कुल राशि इस मद में मिलती है जिसमें कि 4 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन डाली जा रही है जिसमें कूल 1 मीटर के पाइप डाले जा रहे हैं जो कि अपर्याप्त है। पूरे शहर का गढ़ पानी उस 1 मीटर के छोटे गैलन के पाइप से कैसे निकलेगा। जब बाढ़ का पानी आएगा तो एक पाइप चौके

क्या। नगरपालिका 20 पीट गहरी और 4 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन को साफकर पाएगी। पायद लाइन में किनने नालों का पानी आएगा। लंबी पाइपलाइन डाली जा रही है जिसमें कूल 11 नाले दराए गए हैं, जबकि मंदसौर शहर में कूल 25 नाले हैं। इस संबंध में जब नगरपालिका के पाइपों की ओर अधिकारी के साथ की गई तब इन की स्थिति विभाग के जिम्मेदार लोगों को ध्यान देना चाहिए वरना

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त रसन के खेतों में जाकर किसानों से सही नहीं होने पर इसका अधिकारी के लिए अपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, दिनेश पाटीदार, पाटीदार, रामराज मारी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

किसानों को उपज का लागत मूल्य बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। गेहूं शक्तिवात, सिंह विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है। इस अवसर पर इन्होंनी जिसी विभागीय विधि के तहत आपर्याप्त है।

